प्राकृतिक सौन्दर्य का खजाना

ब्रुनेई दारुसलम दुनिया का सबसे पुराना राजशाही और शाही विरासत का छोटा सा एक देश है। यहां मलय इस्लामी राजशाही शासकों की सत्ता रही है। यहां की अद्वितीय राजशाही के पहले शासक के रूप में सुल्तान मोहम्मद शाह जाने जाते हैं। ब्रुनेई को विश्व में इस्लाम धर्म तथा संस्कृति की पहल करने वाला देश माना जाता है। ब्रुनेई के सुल्तान ने देश की संस्कृति तथा इतिहास में मूलभूत परिवर्तन किये तथा अपने साम्राज्य का विस्तार किया। यहां 600 साल पुराने ऐतिहासिक अवशेष आज भी बड़ी संख्या में सुरक्षित है जिनको देखकर यहां की प्राचीन सभ्यता तथा इतिहास के दर्शन किये जा सकते हैं।

ब्रुनेई दारुसलम दक्षिण एशिया के पूर्वी क्षेत्र में स्थित है। दारुसलम का 70 फीसदी क्षेत्र वर्षावन है। यहां की कुल भूमि का 32000 हैक्टेयर भाग वनों तथा 50000 हैक्टेयर भूमि प्राकृतिक पार्कों के लिये आरक्षित है। पूरे एशिया में सबसे अधिक आरक्षित वन भूमि यहीं पर है। यह देश प्राकृतिक संपदा के मामले में संसार का सबसे सम्पन्न देश माना जाता है। ब्रुनेई को अंतर्राष्ट्रीय व्यापारिक क्षेत्र का प्रवेश द्वार कहा जाता है। इसकी समुद्री सीमाएं तीन देशों से जुड़ी हुई हैं। यह एक स्वच्छ तथा प्रदूषण रहित राष्ट्र है। यहां की सड़कों पर ट्रेफिक जाम जैसी स्थिति नहीं होती। ब्रुनेई की प्राकृतिक सुन्दरता के कारण यहां के पर्यटन उद्योग का तेजी से विकास हुआ है। यहां की विशाल, कलात्मक तथा सौन्दर्य से परिपूर्ण मस्जिदें, विशालतम रिहायशी महल तथा संरक्षित प्राकृतिक सौन्दर्य से परिपूर्ण पर्यटक स्थलों के साथ उत्कृष्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर यहां की विशेषता है। ब्रुनेई को दुर्लभ खजानों का देश कहा जाता है। यह क्षेत्र तेल उत्खनन के लिये जाना जाता है। यहां पेट्रोलियम उत्पादों का काफी तादाद में उत्पादन किया जाता है।

5765 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल में फैले ब्रुनेई की कुल जनसंख्या 398000 है। प्रति वर्ग किलोमीटर जनसंख्या मात्र 69 है। यहां की जनसंख्या में 67 प्रतिशत मलय, 15 फीसदी चीन, 6 प्रतिशत स्थानीय तथा 12 प्रतिशत अन्य समुदाय शामिल हैं। यहां सभी धर्म के लोग रहते हैं। यह एक इस्लाम देश है फिर भी 13 फीसदी बोध, 10 फीसदी क्रिश्चियन तथा 10 प्रतिशत अन्य धर्म के लोग रहते हैं। 60000 जनसंख्या वाला बंदर सेरी बेगावन देश की राजधानी ही एकमात्र बड़ा शहर या कस्बा जैसा है।

पर्यटन के लिहाज से ब्रुनेई काफी सम्पन्न देश है। यह प्रमुख एशियाई देशों, ब्रिटेन, पश्चिमी यूरोप से नियमित विमान सेवाओं से जुड़ा है। मलेशिया के लिंबांग तथा लावास से ब्रुनेई के बीच समुद्री परिवहन उपलब्ध है। ब्रुनेई को पर्यटकपरक देश कहा जाता है। यहां छोटे-बड़े करीब 37 होटल हैं जिनकी कुल क्षमता 2800 कमरे हैं। सामान्य श्रेणी से लेकर एम्पायर व कन्ट्री क्लब जैसे आलीशान होटल राजधानी में है। पर्यटक यहां औसतन तीन दिन ठहरते हैं। यहां हर साल करीब चार लाख पर्यटक आते हैं जिनकी संख्या 7 प्रतिशत वार्षिक गति से बढ़ रही है। स्वास्थ्य की दृष्टि से ब्रुनेई एक सुरक्षित देश है। यह राष्ट्र मलेरिया तथा संक्रमित रोगों से पूरी तरह मुक्त है।

ब्रुनेई के पर्यटक स्थल : यहां की सांस्कृतिक धरोहर 'मलय हैरिटेज' कला तथा निर्माण का उत्कृष्ट नमूना है। इसकी सुन्दरता देखते ही बनती है। राजशाही महल दुनिया का सबसे पुराना महल है जिसमें आज भी यहां के सुल्तान निवास करते हैं। भव्यता के लिहाज से दुनिया का अनूठा महल है। ब्रुनेई में एक सौ किलोमीटर के अन्दर सात समुद्री तट हैं। सुन्दरता, स्वच्छता तथा प्रकृति के अद्भुत नजारे यहां देखने को मिलते हैं। प्रकृति के दुर्लभ सौन्दर्य को निहारने के लिये ब्रुनेई से अच्छी जगह अन्यत्र नहीं हो सकती।

कैसे जायें : भारत से ब्रुनेई जाने के लिये दिल्ली व मुम्बई से एयरइंडिया, मलेशिया एयरलाइंस व सिंगापुर एयरलाइंस की नियमित उड़ानें उपलब्ध हैं। दिल्ली से ब्रुनेई (बंदर सेरी बेगावन अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट) का प्रति यात्री वापसी एयर किराया 35000 से 40000 रुपये के बीच है।

ठहरने के स्थान : ब्रुनेई में ठहरने के लिये मध्यम श्रेणी से रॉयल श्रेणी के सूइट राजधानी बंदर सेरी बेगावन में उपलब्ध है। अच्छा रहेगा कि ट्रेवल एजेन्ट से अग्रिम बुकिंग कराकर जायें। ब्रुनेई पर्यटन से संबंधित अधिक जानकारी वेबसाइट www.bruneitourism.travel से प्राप्त की जा सकती है।
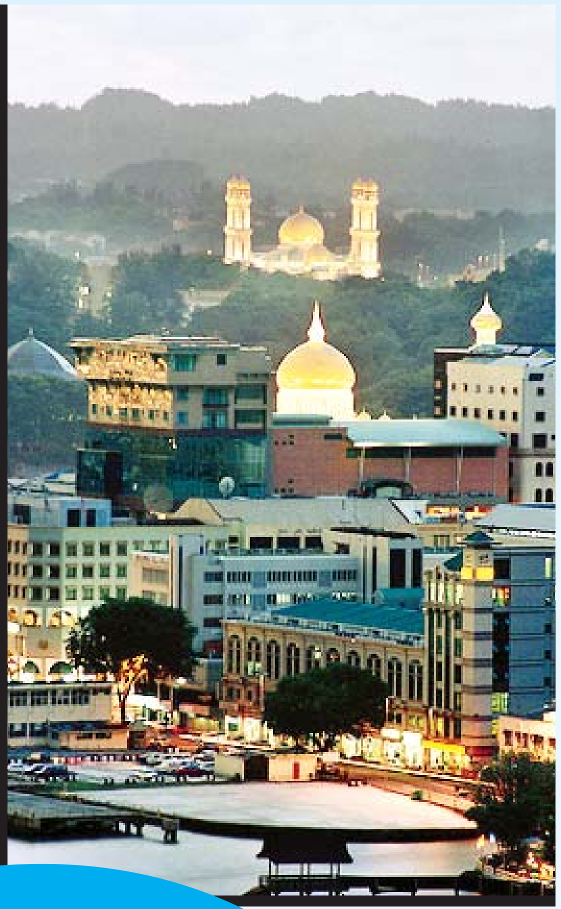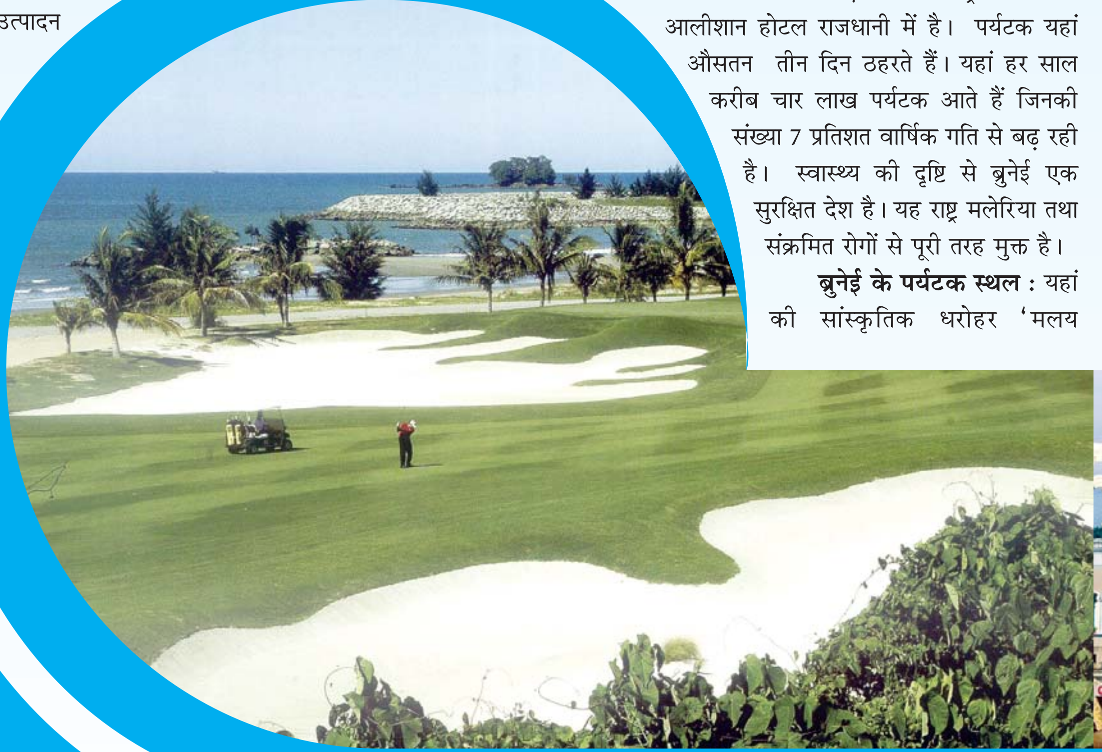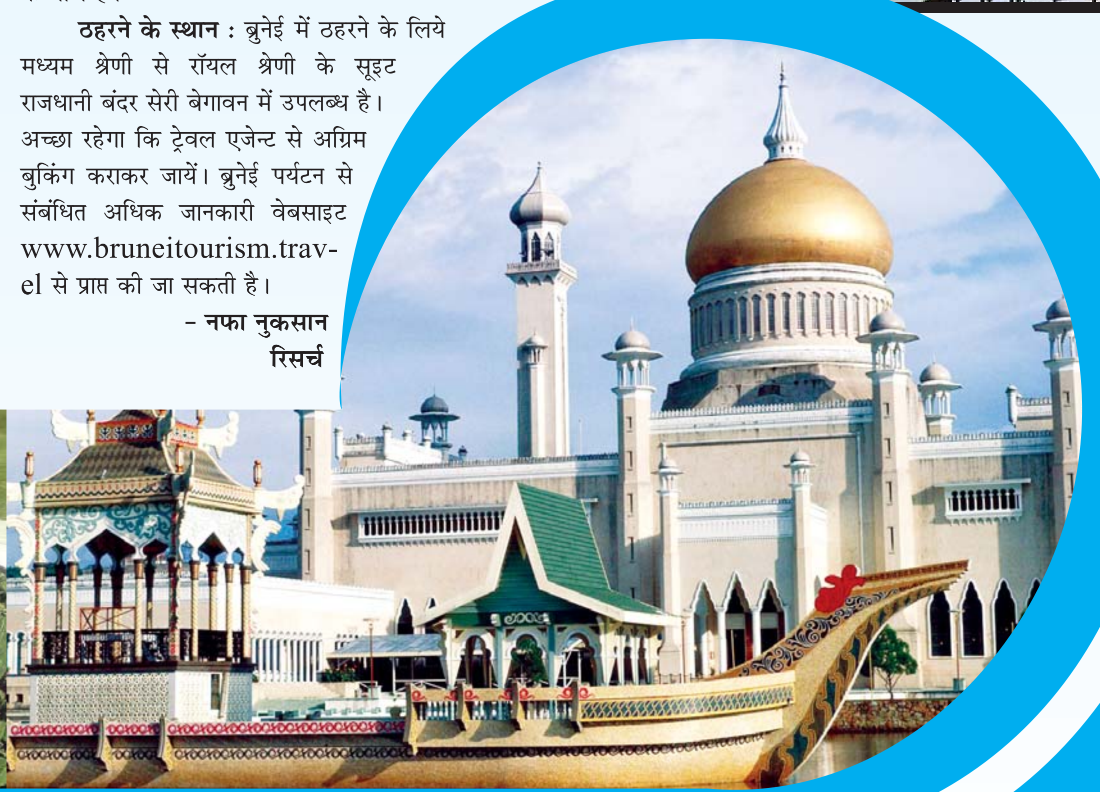
- नफा नुकसान रिसर्च